



500-800 करोड़ कमाना चाहता है बॉलीवुड, फिल्में बनाना नहीं

अनुराग कश्यप हमेशा कहानी करने के बदलते चलन और फिल्म निर्माताओं और कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर अपनी बोक रख देते हैं। ह्यूमरस ऑफ सिनेमा के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में, उन्होंने हिंदी फिल्म उद्योग में रचनात्मक संकट पर विचार किया रख्याएँ कि रोकी 500-800 करोड़ रुपये कमाना चाहता है। फिल्म निर्माता ने बताया कि व्यावसायिक सफलता रचनात्मका को कैसे प्रभावित करती है और कहा, मैंने अकसर देखा है कि सफलता जितना जन्म देती है, उससे कहीं अधिक नष्ट कर देती है। जब सेराट ने 100 करोड़ रुपये कमाए, तो मैंने नापाराज मंजुरू, जो मेरे दोस्रे है, से कहा कि मराठी सिनेमा अब खम्ब हो गया है। क्योंकि अब कोई भी कहानी नहीं बताना चाहेगा, वे 100 करोड़ रुपये कमाना चाहेंगे। उन्होंने यह भी कहा, हमारे हिंदी फिल्म उद्योग के साथ समर्पण यह है कि वे अब 500 से 800 करोड़ रुपये कमाना चाहते हैं, फिल्में बनाना नहीं। इसके लिए, आपको सबसे पहले अपनी फिल्मों को कमज़ोर करना होगा, अपनी कहानी का त्वय करना होगा। और ऐसा नहीं है कि यह कोई मूल आवाज है; सभी एक फॉर्मूले का पालन करते हैं और एक-दूसरे की नकल करते हैं। अब हर कोई अखिल भारतीय चलन की नकल कर रहा है। अगर आप 10 अखिल भारतीय फिल्में देखें, तो सभी एक जैसी दिखेंगी। इससे उद्योग के स्वास्थ्य को कभी कोई फायदा नहीं होता क्योंकि फिल्में फिर बड़ी संख्या में धमाका करने लगती हैं। एक या दो चलेंगी, फिर हर कोई नकल करेगा, और फिर सब कुछ फॉर्मूला के बोक खाते हैं। उनके कुछ उल्लेखीय कामों में लैक फाईड, देव डॉ, नो स्पोकिंग, गुलाल, गैरस और बासपूर, मुक्केबाज, सेकेड गेम्स और मनमजियों शामिल हैं। उनकी आने वाली फिल्म केनेटी को 2023 में कान फिल्म फ़िस्टिवल में दिखाया गया था। इस नियो-नोयर थिलर में राहुल भट्ट, सनी लियोन, अभिलाष थपालियाल, मोहित तकलकर और अन्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म निर्माता ने फिल्म कोपेनियन के साथ एक साक्षात्कार में कान के अनुभव के बारे में बात की थी और बताया था, कान में अपनी फिल्म को दुनिया को दिखाना हमेशा खास होता है और ग्रैंड थिएटर लम्पियर में खेलना जीवन भर का पल होता है। कैनेटी मेरे लिए बहुत खास है और बेहद निजी भी। हमने इस फिल्म को बनाने में अपना दिल और आत्मा लगा दी है। द्वारकों की 7 मिनट की लंबी तालियों ने मुझे कृतज्ञता से भर दिया है। मैं बहुत आधारी और उत्साहित हूँ। अनुराग अगली बार विजय सेतुपति की तमिल क्राइम एक्शन-थ्रिलर महाराजा में एक नकारात्मक भूमिका में नजर आएंगे।



नोरा फतेही का अंतर्राष्ट्रीय गाना हुआ रिलीज

नोरा फतेही का नया गाना रिलीज हो चुका है। फोटो के साथ नोरा ने कैशन में लिखा, मेरे दिमाग में युद्ध चल रहे हैं। नोरा फतेही का बहुप्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय गाना नोरा आज शाम को रिलीज हुआ। इस गाने में नोरा अलग-अलग स्टाइल में नजर आई। आई अब्दरराफिया एलाजीओई द्वारा निर्देशित इस गाने को मोरक्को में फिल्मया गया है।

मुंज्या की शरवरी वाघ बनेंगी डायरेक्टर? आउटसाइडर से एकट्रेस बनने का सफर

शरवरी वाघ को मुंज्या में देखा जाएगा। बंटी और बबली 2 से डेब्यू करने के बाद ये उनकी दूसरी फिल्म है। इसके अलावा वो अमिर खान के बेटे जूनेद की बहली फिल्म महाराज में नजर आएंगी। उनके पास वेदा भी है। बंटी और बबली 2 फिल्म से एकटिंग में डेब्यू करनी वाली शरवरी की जनी थोड़ी अलग रही। फिल्मों का ऑफ मौज़ा मिला तो डायरेक्टर से सेट पर काम करने की इजाजत मांग ली। लव रंजन और संजय लीला भंसाली की असिस्टेंट बन गई। जब सिनेमा से जुड़ी बारीकिया सीख लीं, तब पर्दे पर एक्टिंग का हुनर दिखाया। मराठी परिवार से तालुक रखने वाली शरवरी आउटसाइडर थी, लेकिन आज कावायित के दम पर जल्द ही दिनेश विजन और अमर कौशिक की हॉर्न कॉमेडी मूवी मुंज्या में नजर आने वाली हैं।

असिस्टेंट डायरेक्टर होने का फायदा

एक्टिंग करियर में मिला? मैंने कभी भी फिल्मों को बताने नहीं देखा था। मेरे घर में फिल्ममेकिंग को लेकर बात नहीं होती। हम लोग इंडस्ट्री से हैं नहीं, तो जब मुझे अभिनेत्री बनना था और मैंने ऑफिलिन के लिए जाना शुरू किया, तब मैंने एक दिनेशक से पूछा था कि क्या मैं सेट पर असकती हूँ। मैं फिल्ममेकिंग की प्रसिद्धि के गुजराज में जुड़ी थी और मैंने उनकी असिस्टेंट बन गई। उस जून से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। इससे पहले तक मुझे वर्ले या मार्क जैसी गीजों के बारे में पता नहीं था। मैं नई थी। मैंने फिल्म निर्माण की बारीकियों के बारे में जाना। उनके बाद बाजीराव मस्तानी में मैंने संजय लीला (संजय लीला भंसाली) को असिस्ट किया। तो सहायक निर्देशक बनना मेरे लिए फायदेमंद ही रहा।

तो क्या भविष्य में निर्देशक बनने का प्लान है?

मैं हमेशा से एकट्रेस बनानी चाही थी और अभिनय को समझने के लिए मैं असिस्टेंट बनी थी। आप जब ऑफिलिन के दौर से गुरुर रहे होते हैं तो आपको हमेशा काम नहीं मिलता। कई बार अच्छे रोल पाने के लिए आपको लंबा इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में ये ट्रेनिंग आपके बहुत काम आती है। मेरे पास जब इंट्रेस्टिंग भूमिकाएं नहीं आ रही थीं, तब मैंने कई विज्ञापन फिल्मों में काम किया।

मुंज्या के हीरो संग कर चुकी हैं विज्ञापन में काम

उन्होंने कहा, दिलचस्प बात ये है कि मुंज्या के मेरे हीरो अभय वर्मा और मैं सातों पहले एक एड में साथ काम कर चुके हैं और देखिए, आज हम बतौर नायक-नायिका आपके सामने हैं। मुझे लगता है कि एक लड़की होने के नाते मैंने अपने सफर से बहुत कुछ सीखा है।

क्या आप भूत-प्रेत में मानती हैं?

शैतान का तो मुझे पता नहीं, मगर मैं भगवान में जरूर यकीन करती हूँ। मैं हाँरर फिल्मों से बहुत डरती हूँ तो इसका मतलब यही है कि कहीं न कहीं हॉरर में यकीन करती हूँ। मैं आपको बता दूँ कि मुंज्या एक दंतकथ है। हमारे इंडियन कल्चर से जुड़ी है, खास तौर पर महाराष्ट्र में यह दंतकथा काफी प्रचलित है। बचपन से ही ये कहावत सुनी है कि खाना खा लो वरना मुंज्या आ जाएगा। मैं महाराष्ट्रियन हूँ और मोरांवास से हूँ।

और ये कहानी मैंने भी सुनी है कि मुंज्या उस भूत को कहा जाता है, जिसकी दस साल की उम्र में मुझे से शादी करने की अधूरी ख्वाहिश के साथ मौत हो गई थी। मुंज्या हमारा यहां एक थेड सेरेमी भी होती है, मैं मुझे इसके बारे में यह फिल्म का प्रारंभ कर रहा हूँ। जैसे मुझे यहां एक थेड सेरेमी भी होती है, जिसे मुझे बाल मुक्के इस कहावत का काँइ इशारा है जो इस फिल्म में काम करने का मुझे मौका मिल रहा है।



जल्द आएगी कंगना की इमरजेंसी, विस्तार से दिखाई जाएगी इंदिरा गांधी की हत्या की घटना

अभिनेत्री के समर्थन में आए हैं और सुरक्षा पर साल उड़ाए हैं। मामले में जांच जारी है।

इस बीच कंगना ने अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज पर अप्रैल दिया है। उन्होंने कहा है कि वे जल्द ही यह फिल्म रिलीज करने वाली हैं। इसमें पीएम इंदिरा गांधी की हत्या की घटना को विस्तार से दिखाया जाएगा। कंगना रणी ने इंटरग्राम रासीरी पर आज एक पोस्ट सारोंग लगाई है।

इसमें उन्होंने लिखा है कि फिल्म इमरजेंसी जल्द आएगी, यह

दिखाने के लिए कि एक निहत्या विरष्ट भूमिका की उन्हीं के द्वार के अंदर हत्या कर दी गई। हत्या वर्दीहारी उन्हीं लोगों ने की, जिन पर उन्हें अपनी सुरक्षा के दोपहर को सीआईएसएफ की महिला कांस्टेबल ने बॉलीवुड अभिनेत्री ने अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज पर अप्रैल दिया है। उन्होंने कहा है कि वे जल्दी जारी करने के लिए वर्डरेब मालकंवंशन' की आशंका जताने पर उनकी जमकर आलोचना की है।

उन्होंने कहा, 'आह आप किसी आर्क्यूमें शामिल हों या किसी पुरस्कार समारोह में, आप खुद के इस तहत के वीडियो देखो रहते हैं। मुझे लगता है कि हर महिला के साथ ऐसा करते हैं।'

हर महिला कलाकार को उठानी चाहिए आवाज अभिनेत्री मोना सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मुंज्या' के प्रचार-प्रसार में जुटी है। उन्होंने पैपराजी को द्वारा अपनी कर्ररेज नामसनसीखेज बनाने के लिए 'वर्डरेब मालकंवंशन' की आशंका जताने पर उनकी जमकर आलोचना की है।

उन्होंने कहा, 'आह आप किसी आर्क्यूमें शामिल हों या किसी पुरस्कार समारोह में, आप खुद के इस तहत के वीडियो देखो रहते हैं। मुझे लगता है कि हर महिला कलाकार को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।'

फिल्म इमरजेंसी जल्द आएगी, यह

दिखाने की घटना को विस्तार से दिखाया जाएगा। कंगना रणी ने इंटरग्राम रासीरी पर आज एक पोस्ट सारोंग लगाई है।

इसमें उन्होंने लिखा है कि फिल्म इमरजेंसी जल्द आएगी। अभिन

हनुमान जी से जुड़ी 10 बातें

हिंदू

धर्म में

बजरंगबली की संकटों से उतारने वाला देवता माना गया है। मान्यता है जो हनुमान जी की भवित करता है। जीवन में आने वाली अड़चनों को रखय बजरंगबली दूर करते हैं। हनुमान पूजा की सही विधि साधक को अधिक लाभ प्रदान करती है। शरत्रों में हनुमान जी से जुड़ी 10 अहम बातें बताई गई हैं, जो आपार सफलता प्राप्त हो सकती हैं।



हनुमान जी बल, बुद्धि और विद्या के देवता

■ हनुमान जी की पूजा वैसे तो सप्ताह के सातीं दिन करनी चाहिए, लेकिन मंगलवार का दिन विशेष माना गया है। इस दिन बजरंगबली की उपासना करने से मंगल जनित दोष शात होते हैं।

■ हनुमान जी की पूजा शुरू करने से पहले उनकी उपर्युक्ति का आहार करें। उन्हें आर्मित्र करने के लिए आप हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्रों का जाप कर सकते हैं।

■ हनुमान जी की सिंदूर बहुत ज्यादा चिय है। एक बार मात्र सीता को मांग में सिंदूर लगाते हुए देख लिए तब पूछा कि वह ये सिंदूर क्यों पहनती है।

■ मात्रा सीता ने कहा कि इससे उनके पक्ष श्रीराम की आशु लंबी रह इस कामना से वह सिंदूर लगाती है। इसके बाद हनुमान जी ने श्रीराम की दीपांयु के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर लगा-

लिया। मान्यता है हनुमान जी को सिंदूर का चोला चढ़ाने से वह जल्द प्रसन्न होते हैं।

■ हनुमान जी की गुणों का गुणात्मक नाम चालीसा सुंदरकॉड बहुत प्रभावशाली माना गया है। कहते हैं जहाँ सुंदरकॉड का पाठ होता है वहाँ बजरंगबली उपर्युक्त होते हैं। जो पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ करता है उसके सारे काम बन जाते हैं। अपर अपर हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्रों का जाप कर सकते हैं।

■ मंगलवार या शनिवार के दिन हनुमान जी को बन हुआ बनारसी पान या पान के पते पर आरा रामर काम चढ़ाना शुभ होता है। मान्यता है इससे नौकरी-व्यापार में आ रही समस्याएं खत्म होती है।

■ हनुमान जी की पंचमुखी तरवार लगाने से घर पर मां लक्ष्मी की कृपा वाही रहती है और नकरारक ऊँझ दूर होती है। बुरी शक्तियां घर में प्रवेश नहीं

करती। साधक बल, बुद्धि, विद्या से परिपूर्ण होता है।

■ बेसन के लड्डू, लाल फूल, नरसिंह और गुड़ का दान करने से हनुमान जी जल्द प्रसन्न होते हैं। यह में सुख-सुख्म का वास होता है।

■ जिन लोगों की मांगलिक दोष के काम शादी नहीं हो रही हैं उन्हें श्रद्धा पूर्वक हनुमान जी की भवित्व करना चाहिए। सुहृद-शाम तेल का दीपक लालाकार हनुमान जी के मंत्रों का जाप करें। इससे विवाह के योग बनते हैं।

■ अच्छी सेहत और बीमारियों से छुटकारा पाने के लिए हनुमान जी को नारियल, गुड़, चने चढ़ाने की सलाह दी जाती है। इससे स्वास्थ्य लाभ मिलता है।

■ मंगलवार का अगर सुख वड़ के पेंड के एक पते को तड़कर गंगा जल से धो कर हनुमान जी को बढ़ाव दें। शरीर में खून की कमी के कारण हर वक्त घिंडियापान, थकावट, थकान और कमजोरी महसूस होती है। एक रवस्थ्य शरीर के लिए प्रोटीन, विटामिन और पोषक तत्व सभी भरपूर मात्रा में चाहिए। शरीर में खून की कमी जब होने लगती है तो ब्रेन शरीर को कई सिनल देना शुरू कर देता है।



शरीर में खून की कमी के लक्षण

'वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन' के मुताबिक हीमोग्लोबिन यानि खून की कमी की समस्या पूरे वर्ल्ड के लिए गंभीर समस्या है। जिसे दुनिया भर के लाखों लोग प्रभावित है। जो भी इस बीमारी से पीड़ित होता है उसे अगर सही वक्त पर इलाज न मिले तो यह बीमारी एक बहुत गंभीर बीमारी की शुरुआत हो सकती है। शरीर में खून की कमी के कारण हर वक्त घिंडियापान, थकावट, थकान और कमजोरी महसूस होती है। एक रवस्थ्य शरीर के लिए प्रोटीन, विटामिन और पोषक तत्व सभी भरपूर मात्रा में चाहिए। शरीर में खून की कमी जब होने लगती है तो ब्रेन शरीर को कई सिनल देना शुरू कर देता है।

शरीर में खून की कमी के शुरुआती लक्षण

शरीर में खून की कमी होने के कारण शरीर में कई तरह से लक्षण दिखाई देते हैं। जैसे पैर-हाथ में ज्वानदानी। खून की जब कम होती है तब शरीर के नसों में ऑक्सीजन ट्रीके से पहुंच नहीं पाती है ऐसे में हाथ-पैर में ज्वानदानी होने लगती है। जिसके कारण थकान और कमजोरी महसूस होने लगते हैं।

खून की कमी होने पर बार-बार चक्कर भी महसूस होता है। जब आप अचानक से उठते हैं तो आंखों के आगे अंधरा छा जाता है।

शरीर में खून की कमी के कारण बाल झड़ने लगते हैं। अगर अचानक से ज्यादा हेयर फॉल होने लगते हैं तो समझ जाएं कि शरीर में खून की कमी हो रही है। ऐसे में सबसे पहले ब्लड टेस्ट करायें।



बनाने का काम करता है।

आलू के रस से लाएं घेहरे पर चमक

कच्चे आलू की मदद से भी घेहरे की वस्तक को बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए आलू की कूक्स कर उसका रस निकाल ले और इसे कॉटन की मदद से घेहरे पर लगाए। सुखने के बाद थोड़ी उम्र के लक्षणों को भी कम किया जा सकता है।

घरेलू नुस्खों का ट्राई करें। घेहरे के लिए आलू रस से नेनुरु हैं और इनका असर भी जल्द

नियमित रूप से खाना चाहती है। आलू रस उन्हीं घरेलू नुस्खों के बारे में जानने वाले ही रहती है। जिसके लिए आपको घरेलू नुस्खों की भी नहीं जरूरत।

आलू के रस से लाएं घेहरे पर चमक

कच्चे आलू की मदद से भी घेहरे की वस्तक को बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए आलू की कूक्स कर उसका रस निकाल ले और इसे कॉटन की मदद से घेहरे पर लगाए। सुखने के बाद थोड़ी उम्र के लक्षणों को भी कम किया जा सकता है।

घरेलू नुस्खों का ट्राई करें। घेहरे के लिए आलू रस से नेनुरु हैं और इनका असर भी जल्द

नियमित रूप से खाना चाहती है। आलू रस उन्हीं घरेलू नुस्खों के बारे में जरूरत।

आलू के रस से लाएं घेहरे पर चमक

कच्चे आलू की मदद से भी घेहरे की वस्तक को बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए आलू की कूक्स कर उसका रस निकाल ले और इसे कॉटन की मदद से घेहरे पर लगाए। सुखने के बाद थोड़ी उम्र के लक्षणों को भी कम किया जा सकता है।

घरेलू नुस्खों का ट्राई करें। घेहरे के लिए आलू रस से नेनुरु हैं और इनका असर भी जल्द

नियमित रूप से खाना चाहती है। आलू रस उन्हीं घरेलू नुस्खों के बारे में जरूरत।

घरेलू नुस्खों का ट्राई करें। घेहरे के लिए आलू रस से नेनुरु हैं और इनका असर भी जल्द

नियमित रूप से खाना चाहती है। आलू रस उन्हीं घरेलू नुस्खों के बारे में जरूरत।

घरेलू नुस्खों का ट्राई करें। घेहरे के लिए आलू रस से नेनुरु हैं और इनका असर भी जल्द

नियमित रूप से खाना चाहती है। आलू रस उन्हीं घरेलू नुस्खों के बारे में जरूरत।

घरेलू नुस्खों का ट्राई करें। घेहरे के लिए आलू रस से नेनुरु हैं और इनका असर भी जल्द

नियमित रूप से खाना चाहती है। आलू रस उन्हीं घरेलू नुस्खों के बारे में जरूरत।

घरेलू नुस्खों का ट्राई करें। घेहरे के लिए आलू रस से नेनुरु हैं और इनका असर भी जल्द

नियमित रूप से खाना चाहती है। आलू रस उन्हीं घरेलू नुस्खों के बारे में जरूरत।

घरेलू नुस्खों का ट्राई करें। घेहरे के लिए आलू रस से नेनुरु हैं और इनका असर भी जल्द

नियमित रूप से खाना चाहती है। आलू रस उन्हीं घरेलू नुस्खों के बारे में जरूरत।

घरेलू नुस्खों का ट्राई करें। घेहरे के लिए आलू रस से नेनुरु हैं और इनका असर भी जल्द

नियमित रूप से खाना चाहती है। आलू रस उन्हीं घरेलू नुस्खों के बारे में जरूरत।

घरेलू नुस्खों का ट्राई करें। घेहरे के लिए आलू रस से नेनुरु हैं और इनका असर भी जल्द

नियमित रूप से खाना चाहती है। आलू रस उन्हीं घरेलू नुस्खों के बारे में जरूरत।

घरेलू नुस्खों का ट्राई करें। घ

